Patrika (Indore), 18th August 2019, Patrika Plus, Page-15

आईआईएम शिखर सम्मेलन : बाजार में भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा

'प्रतिस्पर्धा के दौर में गलतियों के लिए गुंजाइश नहीं'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

अश्विनी लोहानी।

श्रुति श्याम सुंदर।

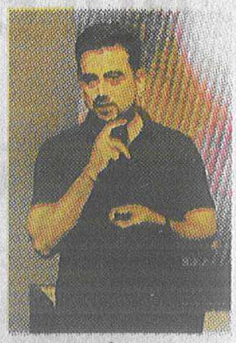

प्रशांत शर्मा।

इंदौर ● आईआईएम और आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित आई-5 शिखर सम्मेलन का पहला दिन इंसपिरेशन और आइडिएशन पर फोकस रहा। देश की शीर्ष कंपनियों से आए लीडर्स ने छात्रों को सफलतम कंपनियों की रणनीति बताने के साथ ही भविष्य की योजनाओं पर भी जानकारियां साझा की। आईआईएम डायरेक्टर हिमांशु राय ने इस मौके पर छात्रों से सम्मेलन में मिल रही जानकारियों को जीवन में उतारने की बात कही। उन्होंने कहा, प्रतिस्पर्धा के दौर में गलतियों के लिए गुंजाइश नहीं है। बाजार में उतरें तो पूरे परफेक्शन के साथ। चाय पर चर्चा के दौरान उन्होंने यंग लीडर्स के साथ मैनेजमेंट के कई प्रमुख विषयों पर बातचीत की और इस दौरान छात्रों ने कई रोचक सवाल भी पूछे। रविवार को गेट फंडेड कार्यक्रम में 50 से अधिक स्टार्टअप निवेशकों के सामने प्रजेंटेशन देंगे और निवेश की संभावनाओं को तलाशेंगे।

एयर इंडिया के चेयरमैन और एमडी अश्विनी लोहानी ने कहा, एचआर को दिल से सोचना चाहिए न कि स्ट्रेटेजी से क्योंकि किसी भी कंपनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण फैक्टर उसके कर्मचारी होते हैं। एचआर ही तय करता है कि कंपनी में किस तरह के कर्मचारी आने चाहिए। किसी भी कंपनी का भविष्य सिर्फ अच्छे कर्मचारियों पर ही निर्भर करता है। उन्होंने कठोर परिश्रम करने और अपनी काबिलियत पर विश्वास करने की बात कहते हुए कहा, यदि आप कुछ बेहतर करने का इरादा कर लेते हैं तो कितनी भी परेशानियां आ जाएं आप वह कार्य पूरा करते हैं, इसलिए हमेशा सबसे पहले खुद पर खुद की काबिलियत पर विश्वास करिए।

जी एंटरटेनमेंट की मार्केटिंग हेड श्रुति श्याम सुंदर ने कहा, भारत में टेलीविजन बहुत तेजी से बदलता है। आप आज जो नाटक पसंद करते हैं, उसे कुछ ही दिन में देखना बंद कर देते हैं। आपके पास इतने विकल्प हैं कि आप पलभर में कहीं भी जा सकते हैं। टीवी में डेली सोप की जरूरत इसलिए बनी हुई है, क्योंकि वह आपको आपके आसपास के जीवन और लोगों से कनेक्ट करता है। आप वही देखेंगे जो आप फील कर रहे हैं। सास-बहू के सीरियल इसीलिए डिमांड में रहते हैं।

फेसबुक उद्योग प्रमुख प्रशांत शर्मा ने कहा, दुनिया कहां जा रही है हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। आज आप बिना ड्राइवर की कार में घूम रहे हैं, सिर्फ सोचकर और देखकर ही शब्द टाइप कर रहे हैं और रिमोट से चलने वाले घरों में रह रहे हैं। यह सब आज प्रारंभिक दौर में है लेकिन कुछ ही सालों में आप अपने आसपास यह सब होते देखेंगे।